**Załącznik Nr 3b do Uchwały Nr 681**

**z dnia 7 kwietnia 2020 roku**

**PLAN STUDIÓW**

**KIERUNKU: Teologia**

**W ZAKRESIE: Nauczanie religii**

**Obowiązuje od cyklu:** 2020 Z

**Poziom studiów:** studia jednolite magisterskie

**Profil kształcenia:** ogólnoakademicki

**Forma studiów:** stacjonarne

**Liczba semestrów:** 10

**Dziedzina/y nauki/dyscyplina/y naukowa/e lub artystyczna/e:**dziedzina nauk teologicznych, dyscyplina naukowa nauki teologiczne, dziedzina nauk społecznych, dyscypliny: pedagogika, psychologia

|  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
| |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 1, semestr: 1** | | |  |  | | |  | | |  | | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | |  | | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | | Semestr | Liczba  punktów ECTS | | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | | Forma zaliczenia | | | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | | | Praktyka | | Praca dyplomowa | | | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | | wykład | | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Technologie informacyjno-komunikacyjne | | I | 2 | | | 2 | | | Zal-o | | | | O | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Wstęp do filozofii | | I | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | | O | | | 30 | | | 15 | | | 15 | | | 2 | | |  | |  | | | | 2 | Logika | | I | 3 | | | 0 | | | Zal-o | | | | O | | | 45 | | | 15 | | | 30 | | | 3 | | |  | |  | | | | 3 | Metafizyka | | I | 6,5 | | | 0 | | | E | | | | O | | | 60 | | | 50 | | | 10 | | | 4 | | |  | |  | | | | 4 | Historia filozofii – starożytność i średniowiecze | | I | 6,5 | | | 0 | | | E | | | | O | | | 60 | | | 30 | | | 30 | | | 4 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 18 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 195 | | | 110 | | | 85 | | | 13 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 1 | | I | 3 | | | 3 | | | Zal-o | | | | |O | | | 45 | | | 0 | | | 45 | | | 3 | | |  | |  | | | | 2 | Historia Kościoła powszechnego – starożytność | | I | 2,5 | | | 0 | | | E | | | | O | | | 25 | | | 15 | | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 5,5 | | | 3 | | | X | | | | X | | | 70 | | | 15 | | | 55 | | | 5 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 3 | | | 3 | | | X | | | | X | | | 45 | | | 0 | | | 45 | | | 3 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | **IV. – ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Psychologia ogólna | | I | 7 | | | 0 | | | E | | | | F | | | 60 | | | 30 | | | 30 | | | 4 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 7 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 60 | | | 30 | | | 30 | | | 4 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 7 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 60 | | | 30 | | | 30 | | | 4 | | |  | |  | | | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 1** | | | | **32,5** | | | **5** | | | **X** | | | | **X** | | | **355** | | | **155** | | | **200** | | | **23** | | |  | |  | | | |  |  | |  |  | | |  | | |  | | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | |  | | | | **Rok studiów: 1, semestr: 2** | | |  |  | | |  | | |  | | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | |  | | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | | Semestr | Liczba  punktów ECTS | | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | | Forma zaliczenia | | | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | | | praktyka | | praca dyplomowa | | | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | | wykład | | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język obcy 1 | | II | 2 | | | 2 | | | Zal-o | | | | F | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | | | 2 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | | II | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | | F | | | 30 | | | 30 | | | 0 | | | 1 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 4 | | | 2 | | | X | | | | X | | | 60 | | | 30 | | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 4 | | | 2 | | | X | | | | X | | | 60 | | | 30 | | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Filozofia nauki | | II | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | | O | | | 30 | | | 20 | | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | | | 2 | Historia filozofii – nowożytność i współczesność | | II | 6,5 | | | 0 | | | E | | | | O | | | 60 | | | 30 | | | 30 | | | 4 | | |  | |  | | | | 3 | Teoria poznania | | II | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | | O | | | 30 | | | 20 | | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 10,5 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 120 | | | 70 | | | 50 | | | 8 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 2 | | II | 3 | | | 3 | | | Zal-o | | | | O | | | 45 | | | 0 | | | 45 | | | 3 | | |  | |  | | | | 2 | Muzyka kościelna – zasady muzyki | | II | 1 | | | 1 | | | Zal-o | | | | O | | | 15 | | | 0 | | | 15 | | | 1 | | |  | |  | | | | 3 | Historia Kościoła powszechnego – średniowiecze | | II | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | | O | | | 25 | | | 15 | | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 6 | | | 4 | | | X | | | | X | | | 85 | | | 15 | | | 70 | | | 6 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 4 | | | 4 | | | X | | | | X | | | 60 | | | 0 | | | 60 | | | 4 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Psychologia rozwojowa i wychowawcza | | II | 3 | | | 0 | | | E | | | | F | | | 30 | | | 15 | | | 15 | | | 2 | | |  | |  | | | | 2 | Pedagogika | | II | 5 | | | 0 | | | E | | | | F | | | 75 | | | 45 | | | 30 | | | 5 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 8 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 105 | | | 60 | | | 45 | | | 7 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 8 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 105 | | | 60 | | | 45 | | | 7 | | |  | |  | | | | **IV. 1. CN – Związanych z podstawami dydaktyki i emisją głosu** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Emisja głosu | | II | 2 | | | 2 | | | Zal-o | | | | F | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | |  | | | | **V. – INNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Ergonomia | | II | 0,25 | | | 0 | | | Zal. | | | | O | | | 2 | | | 2 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | 2 | Ochrona własności intelektualnej | | II | 0,25 | | | 0 | | | Zal. | | | | O | | | 2 | | | 2 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | 3 | Etykieta | | II | 0,5 | | | 0 | | | Zal. | | | | O | | | 4 | | | 4 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | 4 | Szkolenie w zakresie bezpieczeństwa i higieny pracy | | II | 0,5 | | | 0 | | | Zal. | | | | O | | | 4 | | | 4 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 1,5 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 12 | | | 12 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 2** | | | | **32** | | | **8** | | | **X** | | | | **X** | | | **412** | | | **187** | | | **225** | | | **25** | | |  | |  | | | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na I roku studiów** | | | | **64,5** | | | **13** | | | **X** | | | | **X** | | | **767** | | | **342** | | | **425** | | | **48** | | |  | |  | | | | **Rok studiów:2, semestr: 3** | | |  |  | | |  | | |  | | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | |  | | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | | Semestr | Liczba  punktów ECTS | | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | | Forma zaliczenia | | | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | | | Praktyka | | Praca dyplomowa | | | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | | wykład | | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język obcy 2 | | III | 2 | | | 2 | | | Zal-o | | | | F | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | | | 2 | Wychowanie fizyczne 1 | | III | 0 | | | 0 | | | Zal-o | | | | O | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 0 | | |  | |  | | | | 3 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | | III | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | | F | | | 30 | | | 30 | | | 0 | | | 1 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 4 | | | 2 | | | X | | | | X | | | 90 | | | 30 | | | 60 | | | 2 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 4 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 90 | | | 30 | | | 60 | | | 2 | | |  | |  | | | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Filozofia przyrody i przyrodoznawstwa | | III | 6,5 | | | 0 | | | E | | | | O | | | 60 | | | 45 | | | 15 | | | 4 | | |  | |  | | | | 2 | Filozofia Boga | | III | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | | O | | | 30 | | | 20 | | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | | | 3 | Filozofia człowieka | | III | 6,5 | | | 0 | | | E | | | | O | | | 60 | | | 45 | | | 15 | | | 4 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 15 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 150 | | | 110 | | | 40 | | | 10 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 3 | | III | 3 | | | 3 | | | Zal-o | | | | O | | | 45 | | | 0 | | | 45 | | | 3 | | |  | |  | | | | 2 | Muzyka kościelna – chorał gregoriański | | III | 1 | | | 1 | | | Zal-o | | | | O | | | 15 | | | 0 | | | 15 | | | 1 | | |  | |  | | | | 3 | Historia Kościoła powszechnego – nowożytność | | III | 2,5 | | | 0 | | | E | | | | O | | | 25 | | | 15 | | | 10 | | | 2 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 6,5 | | | 4 | | | X | | | | X | | | 85 | | | 15 | | | 70 | | | 6 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 4 | | | 4 | | | X | | | | X | | | 60 | | | 0 | | | 60 | | | 4 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru | | III | 1,5 | | | 0 | | | Zal-o | | | | F | | | 30 | | | 30 | | | 0 | | | 2 | | |  | |  | | | | 2 | Przedmiot do wyboru | | III | 1,5 | | | 0 | | | Zal-o | | | | F | | | 30 | | | 30 | | | 0 | | | 2 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 3 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 60 | | | 60 | | | 0 | | | 4 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | |  | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 3 | | | 0 | | | X | | | | X | | | 60 | | | 60 | | | 0 | | | 4 | | |  | |  | | | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 3** | | | | **28,5** | | | **6** | | | **X** | | | | **X** | | | **385** | | | **215** | | | **170** | | | **22** | | |  | |  | | | |  |  | |  |  | | |  | | |  | | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | |  | | | | **Rok studiów: 2, semestr: 4** | |  | | |  | | |  | | |  | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | | |  | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | | | Liczba  punktów ECTS | | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | | | Praktyka | | | | Praca dyplomowa | | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | | wykład | | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język obcy 3 | IV | | | 2 | | | 2 | | | Zal-o | | F | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | 2 | | | 2 | | | X | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | 2 | | | 2 | | | X | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | 2 | | | 2 | | | X | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | | | |  | | | **II. - PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Filozofia religii | IV | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | O | | | 30 | | | 20 | | | 10 | | | 2 | | |  | | | |  | | | 2 | Etyka ogólna i stosowana | IV | | | 5,5 | | | 0 | | | E | | O | | | 75 | | | 30 | | | 45 | | | 5 | | |  | | | |  | | | 3 | Filozofia kultury, sztuki i techniki | IV | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | O | | | 30 | | | 20 | | | 10 | | | 2 | | |  | | | |  | | | 4 | Filozofia społeczno-polityczna | IV | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | O | | | 30 | | | 20 | | | 10 | | | 2 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 11,5 | | | 0 | | | X | X | | | 165 | | | 90 | | | 75 | | | 11 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | | |  | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język łaciński 4 | IV | | | 3 | | | 3 | | | Zal-o | | O | | | 45 | | | 0 | | | 45 | | | 3 | | |  | | | |  | | | 2 | Historia Kościoła powszechnego – współczesność | IV | | | 2,5 | | | 0 | | | E | | O | | | 25 | | | 15 | | | 10 | | | 2 | | |  | | | |  | | | 3 | Muzyka kościelna – tony psalmowe | IV | | | 1 | | | 1 | | | Zal-o | | O | | | 15 | | | 0 | | | 15 | | | 1 | | |  | | | |  | | | 4 | Patrologia | IV | | | 2,5 | | | 0 | | | E | | O | | | 60 | | | 45 | | | 15 | | | 4 | | |  | | | |  | | | 5 | Wstęp do teologii | IV | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | O | | | 30 | | | 15 | | | 15 | | | 2 | | |  | | | |  | | | 6 | Wstęp do Pisma świętego z elementami archeologii biblijnej | IV | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | O | | | 30 | | | 30 | | | 0 | | | 2 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 13 | | | 4 | | | X | X | | | 205 | | | 105 | | | 100 | | | 14 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 4 | | | 4 | | | X | X | | | 60 | | | 0 | | | 60 | | | 4 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | | |  | | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. CN – Związanych z podstawami dydaktyki i emisją głosu** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Podstawy dydaktyki | IV | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | F | | | 30 | | | 15 | | | 15 | | | 2 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 2 | | | 0 | | | X | X | | | 30 | | | 15 | | | 15 | | | 2 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 2 | | | 0 | | | X | X | | | 30 | | | 15 | | | 15 | | | 2 | | |  | | | |  | | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 4** | | | | | | **28,5** | | | **6** | | | **X** | **X** | | | **430** | | | **210** | | | **220** | | | **28** | | |  | | | |  | | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na II roku studiów** | | | | | | **57** | | | **12** | | | **X** | **X** | | | **815** | | | **425** | | | **390** | | | **50** | | |  | | | |  | | | **Rok studiów: 3, semestr: 5** | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | | Semestr | | | Liczba  punktów ECTS | | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | | Forma zaliczenia | | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | | | Praktyka | | | Praca dyplomowa | | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | | wykład | | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Język obcy 4 | | V | | | 2 | | | 2 | | | E | | | F | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 1 | | |  | | |  | | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Socjologia | | V | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 15 | | | 15 | | | 0 | | | 1 | | |  | | |  | | | 2 | Edukacja medialna | | V | | | 2 | | | 2 | | | Zal-o | | | O | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 4 | | | 2 | | | X | | | X | | | 45 | | | 15 | | | 30 | | | 3 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | |  | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Pięcioksiąg i księgi historyczne Starego Testamentu | | V | | | 5,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 60 | | | 45 | | | 15 | | | 4 | | |  | | |  | | | 2 | Sztuka kościelna | | V | | | 1 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 15 | | | 15 | | | 0 | | | 1 | | |  | | |  | | | 3 | Ewangelie synoptyczne i Dzieje Apostolskie | | V | | | 5,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 60 | | | 45 | | | 15 | | | 4 | | |  | | |  | | | 4 | Liturgika fundamentalna | | V | | | 1 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 15 | | | 15 | | | 0 | | | 1 | | |  | | |  | | | 5 | Teologia dogmatyczna - o Bogu Jedynym i w Trójcy Osób | | V | | | 3 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 40 | | | 30 | | | 10 | | | 3 | | |  | | |  | | | 6 | Teologia fundamentalna | | V | | | 4,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 60 | | | 45 | | | 15 | | | 4 | | |  | | |  | | | 7 | Teologia moralna fundamentalna | | V | | | 4,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 60 | | | 45 | | | 15 | | | 4 | | |  | | |  | | | 8 | Katechetyka fundamentalna | | V | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 30 | | | 30 | | | 0 | | | 2 | | |  | | |  | | | 9 | Prawo kanoniczne – normy ogólne | | V | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 20 | | | 20 | | | 0 | | | 2 | | |  | | |  | | | 10 | Historia Kościoła w Polsce | | V | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 20 | | | 20 | | | 0 | | | 2 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 31 | | | 0 | | | X | | | X | | | 380 | | | 310 | | | 70 | | | 27 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | |  | | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 5** | | | | | | **37** | | | **4** | | | **X** | | | **X** | | | **455** | | | **325** | | | **130** | | | **31** | | |  | | |  | | |  |  | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | | **Rok studiów: 3, semestr: 6** | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | | Semestr | | | Liczba  punktów ECTS | | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | | Forma zaliczenia | | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | | | Praktyka | | | Praca dyplomowa | | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | | wykład | | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Księgi prorockie Starego Testamentu | | VI | | | 5,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 60 | | | 45 | | | 15 | | | 4 | | |  | | |  | | | 2 | Pisma Janowe | | VI | | | 4,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 45 | | | 30 | | | 15 | | | 3 | | |  | | |  | | | 3 | Liturgika - rok liturgiczny i liturgia godzin | | VI | | | 1 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 15 | | | 15 | | | 0 | | | 1 | | |  | | |  | | | 4 | Teologia dogmatyczna - teologia stworzenia i antropologia teologiczna | | VI | | | 2,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 30 | | | 15 | | | 15 | | | 2 | | |  | | |  | | | 5 | Aretologia teologicznomoralna | | VI | | | 2,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 30 | | | 30 | | | 0 | | | 2 | | |  | | |  | | | 6 | Katechetyka materialna (dydaktyka nauczania religii) | | VI | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 30 | | | 15 | | | 15 | | | 2 | | |  | | |  | | | 7 | Prawo kanoniczne małżeńskie | | VI | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 30 | | | 20 | | | 10 | | | 2 | | |  | | |  | | | 8 | Religiologia i dialog międzyreligijny | | VI | | | 3 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 45 | | | 30 | | | 15 | | | 3 | | |  | | |  | | | 9 | Proseminarium | | VI | | | 1 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 15 | | | 0 | | | 15 | | | 1 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 24 | | | 0 | | | X | | | X | | | 300 | | | 200 | | | 100 | | | 20 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | |  | | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Praktyka w zakresie psychologiczno-pedagogicznym | | VI | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | F | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 2 | | | 30 | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 2 | | | 0 | | | X | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 2 | | | 30 | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 2 | | | 0 | | | X | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 2 | | | 30 | | |  | | | **IV. 1. DN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Metodyka nauczania religii | | VI | | | 2 | | | 2 | | | Zal-o | | | F | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | | |  | | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Przedmiot do wyboru | | VI | | | 1,5 | | | 0 | | | Zal-o | | | F | | | 30 | | | 30 | | | 0 | | | 2 | | |  | | |  | | | 2 | Przedmiot do wyboru | | VI | | | 1,5 | | | 0 | | | Zal-o | | | F | | | 30 | | | 30 | | | 0 | | | 2 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 3 | | | 0 | | | X | | | X | | | 60 | | | 60 | | | 0 | | | 4 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 3 | | | 0 | | | X | | | X | | | 60 | | | 60 | | | 0 | | | 4 | | |  | | |  | | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 6** | | | | | | **31** | | | **2** | | | **X** | | | **X** | | | **390** | | | **260** | | | **130** | | | **28** | | | **30** | | |  | | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na III roku studiów** | | | | | | **68** | | | **6** | | | **X** | | | **X** | | | **845** | | | **585** | | | **260** | | | **59** | | | **30** | | |  | | | **Rok studiów: 4, semestr: 7** | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | |  | | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | | Semestr | | | Liczba  punktów ECTS | | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | | Forma zaliczenia | | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | | | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | | | | | | | | Praktyka | | | Praca dyplomowa | | | ogółem zajęcia dydaktyczne | | | wykład | | | ćwiczenia | | | inne | | | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Wychowanie fizyczne 2 | | VII | | | 0 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 0 | | |  | | |  | | | 2 | Przedmiot humanistyczny/społeczny | | VII | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | F | | | 30 | | | 30 | | | 0 | | | 1 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 2 | | | 0 | | | X | | | X | | | 60 | | | 30 | | | 30 | | | 1 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 0 | | | 0 | | | X | | | X | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | | 0 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 2 | | | 0 | | | X | | | X | | | 60 | | | 30 | | | 30 | | | 1 | | |  | | |  | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Księgi mądrościowe Starego Testamentu | | VII | | | 3,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 30 | | | 20 | | | 10 | | | 2 | | |  | | |  | | | 2 | „Corpus Paulinum” i pozostałe listy Nowego Testamentu | | VII | | | 3,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 45 | | | 30 | | | 15 | | | 3 | | |  | | |  | | | 3 | Liturgika - sakramenty | | VII | | | 2 | | | 1 | | | Zal-o | | | O | | | 30 | | | 20 | | | 10 | | | 2 | | |  | | |  | | | 4 | Teologia dogmatyczna - chrystologia z soteriologią i pneumatologia | | VII | | | 3,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 45 | | | 30 | | | 15 | | | 3 | | |  | | |  | | | 5 | Chrześcijańska moralność małżeńsko-rodzinna | | VII | | | 3,5 | | | 0 | | | E | | | O | | | 45 | | | 30 | | | 15 | | | 3 | | |  | | |  | | | 6 | Katechetyka szczegółowa (dydaktyka nauczania religii) | | VII | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 30 | | | 30 | | | 0 | | | 2 | | |  | | |  | | | 7 | Prawo kanoniczne o sakramentach | | VII | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | O | | | 30 | | | 20 | | | 10 | | | 2 | | |  | | |  | | | 8 | Seminarium naukowe 1 | | VII | | | 2 | | | 0 | | | Zal-o | | | F | | | 15 | | | 0 | | | 15 | | | 1 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 22 | | | 1 | | | X | | | X | | | 270 | | | 180 | | | 90 | | | 18 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 1 | | | 1 | | | X | | | X | | | 10 | | | 0 | | | 10 | | | 1 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 2 | | | 0 | | | X | | | X | | | 15 | | | 0 | | | 15 | | | 1 | | |  | | |  | | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. DN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Dydaktyka nauczania religii 1 | | VII | | | 2 | | | 2 | | | Zal-o | | | F | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | | |  | | | 2 | Praktyka katechetyczna w szkole 1 - śródroczna | | VII | | | 1 | | | 0 | | | Zal-o | | | F | | | 15 | | | 0 | | | 15 | | | 1 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | | 3 | | | 2 | | | X | | | X | | | 45 | | | 0 | | | 45 | | | 3 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | | 2 | | | 2 | | | X | | | X | | | 30 | | | 0 | | | 30 | | | 2 | | |  | | |  | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | | 3 | | | 2 | | | X | | | X | | | 45 | | | 0 | | | 45 | | | 3 | | |  | | |  | | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 7** | | | | | | **27** | | | **3** | | | **X** | | | **X** | | | **375** | | | **210** | | | **165** | | | **22** | | |  | | |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 4, semestr: 8** | |  |  | |  | |  | |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Teologia i hermeneutyka biblijna | VIII | 3,5 | | 0 | | E | | O | 30 | 30 | 0 | 2 |  |  | | 2 | Liturgika - Eucharystia | VIII | 2 | | 1 | | Zal-o | | O | 30 | 20 | 10 | 2 |  |  | | 3 | Teologia dogmatyczna – charytologia i eklezjologia z mariologią | VIII | 3,5 | | 0 | | E | | O | 45 | 30 | 15 | 3 |  |  | | 4 | Bioetyka teologiczna | VIII | 2,5 | | 0 | | E | | O | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | 5 | Moralność życia społecznego | VIII | 1 | | 0 | | Zal-o | | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 6 | Ekumenizm | VIII | 1 | | 0 | | Zal-o | | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 7 | Katolicka nauka społeczna | VIII | 4,5 | | 0 | | E | | O | 60 | 30 | 30 | 4 |  |  | | 8 | Prawo kanoniczne o ustroju Kościoła | VIII | 2 | | 0 | | Zal-o | | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  | | 9 | Misjologia | VIII | 1 | | 0 | | Zal-o | | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 10 | Translatorium | VIII | 2 | | 2 | | Zal-o | | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | 11 | Seminarium naukowe 2 | VIII | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 25 | | 3 | | X | X | 305 | 175 | 130 | 21 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 3 | | 3 | | X | X | 40 | 0 | 40 | 3 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 4 | | 2 | | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. DN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Dydaktyka nauczania religii 2 | VIII | 2 | | 2 | | Zal-o | | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | 2 | Praktyka katechetyczna w szkole 2 – śródroczna | VIII | 1 | | 0 | | Zal-o | | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | 3 | | 2 | | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | 2 | | 2 | | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | 3 | | 2 | | X | X | 45 | 0 | 45 | 3 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 8** | | | | **28** | | **5** | | **X** | **X** | **350** | **175** | **175** | **24** |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na IV roku studiów** | | | | **55** | | **8** | | **X** | **X** | **725** | **385** | **340** | **46** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 5, semestr: 9** | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | Semestr | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Forma zaliczenia | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Liturgika - sakramentalia i pobożność ludowa | IX | 1 | 0 | Zal-o | O | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | 2 | Prawo kanoniczne osobowe | IX | 2 | 0 | Zal-o | O | 20 | 20 | 0 | 2 |  |  | | 3 | Teologia duchowości | IX | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 60 | 0 | 4 |  |  | | 4 | Teologia dogmatyczna – sakramentologia i eschatologia | IX | 4,5 | 0 | E | O | 60 | 45 | 15 | 4 |  |  | | 5 | Seminarium naukowe 3 | IX | 2 | 0 | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 14 | 0 | X | X | 170 | 140 | 30 | 12 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 0 | X | X | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Pedagogiczno-katechetyczna formacja nauczyciela religii | IX | 1 | 0 | Zal-o | F | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 1 | 0 | X | X | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 1 | 0 | X | X | 15 | 15 | 0 | 1 |  |  | | **IV. 1. DN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Praktyka katechetyczna w szkole 1 - ciągła | IX | 3 | 0 | Zal-o | F | 0 | 0 | 0 | 3 | 45 |  | | 2 | Praktyka katechetyczna w szkole 2 - ciągła | IX | 3 | 0 | Zal-o | F | 0 | 0 | 0 | 3 | 45 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 6 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 6 | 90 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 6 | 0 | X | X | 0 | 0 | 0 | 6 | 90 |  | | **IV. 1. EN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania przedmiotu Etyka (kolejnego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | | 1 | Metodyka nauczania etyki | IX | 2 | 2 | Zal-o | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 2 | 2 | X | X | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 9** | | | **23** | **2** | **X** | **X** | **215** | **155** | **60** | **21** | **90** |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Rok studiów: 5, semestr: 10** | | |  |  | |  | |  | |  |  |  |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | | Semestr | Liczba  punktów ECTS | | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | | Forma zaliczenia | | Status przedmiotu:  obligatoryjny lub fakultatywny | Liczba godzin realizowanych z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | ćwiczenia | inne | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | | | | | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Teologia dogmatyczna - teologia sakramentu święceń | | X | 2,5 | | 0 | | E | | O | 20 | 10 | 10 | 2 |  |  | | 2 | Praca dyplomowa i egzamin dyplomowy | | X | 20 | | 0 | | E | | F | 0 | 0 | 0 | 25 |  | 475 | | 3 | Seminarium naukowe 4 | | X | 2 | | 0 | | Zal-o | | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | 24,5 | | 0 | | X | X | 35 | 10 | 25 | 28 |  | 475 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | 0 | | 0 | | X | X | 0 | 0 | 0 | 0 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | 22 | | 0 | | X | X | 15 | 0 | 15 | 26 |  | 475 | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. EN – Związanych z przygotowaniem dydaktycznym do nauczania przedmiotu Etyka (kolejnego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | | | | | | 1 | Dydaktyka nauczania przedmiotu Etyka 1 | | X | 1,5 | | 1,5 | | Zal-o | | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | 2 | Dydaktyka nauczania przedmiotu Etyka 2 | | X | 1,5 | | 1,5 | | Zal-o | | F | 30 | 0 | 30 | 2 |  |  | | 1 | | Praktyka dydaktyczna przedmiotu Etyka 1 - śródroczna | X | | 1 | | 0 | | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | 2 | | Praktyka dydaktyczna przedmiotu Etyka 2 - śródroczna | X | | 1 | | 0 | | Zal-o | F | 15 | 0 | 15 | 1 |  |  | | 3 | | Praktyka dydaktyczna przedmiotu Etyka 1 - ciągła | X | | 1,5 | | 0 | | Zal-o | F | 0 | 0 | 0 | 2 | 30 |  | | 4 | | Praktyka dydaktyczna przedmiotu Etyka 2 - ciągła | X | | 1,5 | | 0 | | Zal-o | F | 0 | 0 | 0 | 2 | 30 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | | | 8 | | 3 | | X | X | 90 | 0 | 90 | 10 | 60 |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | | | 3 | | 3 | | X | X | 60 | 0 | 60 | 4 |  |  | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | | | 8 | | 3 | | X | X | 90 | 0 | 90 | 10 | 60 |  | | **Liczba punktów ECTS/godz.dyd. w semestrze 10** | | | | | **32,5** | | **3** | | **X** | **X** | **125** | **10** | **115** | **38** | **60** | **475** | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. na V roku studiów** | | | | | **55,5** | | **5** | | **X** | **X** | **340** | **165** | **175** | **59** | **150** | **475** |   **I. Przedmioty humanistyczne/społeczne:**  - Afroamerykańskie dzieła kultury: voodoo, jazz, rastafari;  - Animacja kultury studenckiej;  - Literatura w mediach;  - Myślenie i działanie projektowe;  - Źródła społeczeństwa obywatelskiego.  **II. Przedmioty do wyboru:**  - Alkoholizm i koalkoholizm (geneza, terapia i powrót do zdrowia);  - Aspekty karne przestępstw pedofilii;  - Biblijna i współczesna wizja starości;  - Biblijne podstawy ekologii integralnej;  - Biblijne źródła duchowości małżeńskiej;  - Dekalog i prawa człowieka;  - Dlaczego zło?  - Etyczne aspekty zarządzania zasobami ludzkimi;  - Feminizm, antyfeminizm, patriarchalizm: dzisiejsze spojrzenie i kultura antyczna;  - Godność kobiety i fenomen kobiecości w świetle ksiąg Starego Testamentu;  - Historia doktryn politycznych;  - Historia Warmii i Mazur;  - Indywidualne różnice osobowości. Implikacje empiryczne;  - Inspiracje biblijne w wybranej literaturze światowej XX wieku;  - Judasz i Piotr. Sukces czy porażka pedagogii Jezusa?  - Komunikacja międzykulturowa;  - Krąg Morza Śródziemnego: archeologia, zabytki, turystyka;  - Kremacja w prawie kanonicznym;  - Odziaływanie mass mediów na życie człowieka;  - Prawa i zwyczaje małżeńskie na starożytnym Bliskim Wschodzie;  - Prehistoria biblijna a prehistoria świata;  - Przygotowanie do małżeństwa;  - Przyszłość rodziny wiedzie przez rodzinę (refleksje teologiczne w oparciu o nauczanie Jana Pawła II);  - Religia a sfera publiczna;  - Rodzina jako źródło inspiracji w malarstwie i rzeźbie;  - Struktura socjalna starożytnych społeczeństw mezopotamskich;  - Sztuka kompromisu w rodzinie;  - Wartości w kształtowaniu kultury organizacyjnej firmy;  - Współczesne spojrzenie na metody wychowawcze w rodzinie antycznej  - Wybrane zagadnienia z filozofii religii;  - Zagadnienia wybrane z historii diecezji pomezańskiej;  - Znaczenie sumienia w kontekście życia rodzinnego.   |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  | | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | | **Tabela podsumowująca plan** | | |  |  |  |  | |  |  |  |  | | Lp. | Nazwa przedmiotu/grupy zajęć | | Liczba  punktów ECTS | Punkty ECTS  za zajęcia praktyczne | Liczba godzin realizowanych  z bezpośrednim udziałem nauczyciela akademickiego lub innej osoby prowadzącej zajęcia | | | | | Praktyka | Praca dyplomowa | | ogółem zajęcia dydaktyczne | wykład | | ćwiczenia | inne | | **Liczba punktów ECTS/godz. dyd. w planie studiów** | | | 300 | 44 | 3492 | 1902 | | 1590 | 262 | 180 | 475 | | **Grupa treści** | | | | | | | | | | | | | **I. - WYMAGANIA OGÓLNE** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 16 | 10 | 300 | 90 | | 210 | 8 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 10 | 10 | 150 | 0 | | 150 | 5 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 14 | 8 | 270 | 90 | | 180 | 7 | 0 | 0 | | **II. – PODSTAWOWYCH** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 59 | 2 | 675 | 395 | | 280 | 45 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 2 | 2 | 30 | 0 | | 30 | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | | **III. – KIERUNKOWYCH** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 171,5 | 19 | 1905 | 1165 | | 740 | 157 | 0 | 475 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 19 | 19 | 275 | 0 | | 275 | 19 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 30 | 2 | 90 | 0 | | 90 | 31 | 0 | 475 | | **IV. - ZWIĄZANYCH Z ZAKRESEM KSZTAŁCENIA** | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. Związanych z przygotowaniem do wykonywania zawodu nauczyciela** | | | | | | | | | | | | | **IV. 1. BN – Związanych z przygotowaniem psychologiczno-pedagogicznym** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 18 | | 0 | 180 | 105 | 75 | | 14 | 30 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 18 | | 0 | 180 | 105 | 75 | | 14 | 30 | 0 | | **IV. 1. CN – Związanych z podstawami dydaktyki i emisją głosu** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 4 | | 2 | 60 | 15 | 45 | | 4 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 2 | | 2 | 30 | 0 | 30 | | 2 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 4 | | 2 | 60 | 15 | 45 | | 4 | 0 | 0 | | **IV. 1. DN – Przygotowanie dydaktyczne do nauczania religii (pierwszego przedmiotu)** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | 14 | | 6 | 120 | 0 | 120 | | 14 | 90 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | 6 | | 6 | 90 | 0 | 90 | | 6 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | 14 | | 6 | 120 | 0 | 120 | | 14 | 90 | 0 | | **IV. 1. EN – Przygotowanie dydaktyczne do nauczania przedmiotu Etyka (kolejnego przedmiot)** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 10 | 5 | 120 | 0 | | 120 | 12 | 60 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 5 | 5 | 90 | 0 | | 90 | 6 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 10 | 5 | 120 | 0 | | 120 | 12 | 60 | 0 | | **IV. 3. Związanych z poszerzeniem wiedzy, umiejętności i kompetencji społecznych z dziedziny nauk teologicznych lub nauk pomocniczych teologii** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 6 | 0 | 120 | 120 | | 0 | 8 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 6 | 0 | 120 | 120 | | 0 | 8 | 0 | 0 | | **V. – INNE** | | | | | | | | | | | | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (ogółem) | | | 1,5 | 0 | 12 | 12 | | 0 | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (zajęcia praktyczne) | | | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | | Liczba punktów ECTS/godz. dyd. (przedmioty fakultatywne) | | | 0 | 0 | 0 | 0 | | 0 | 0 | 0 | 0 | |  |  | |  |  |  |  | |  |  |  |  | |  |  | |  |  |  |  | |  |  |  |  | |  |  | |  |  |  |  | |  |  |  |  | | **Lp.** | **Punkty ECTS sumaryczne wskaźniki ilościowe,**  **w tym zajęcia:** | | **Punkty ECTS** | |  |  | |  |  |  |  | | **Liczba** | **%** |  |  | |  |  |  |  | | **Ogółem - plan studiów** | | | **300** | **100** |  |  | |  |  |  |  | | 1 | wymagające bezpośredniego udziału nauczyciela akademickiego lub innych osób prowadzących zajęcia | | 150,16 | 50,05 |  |  | |  |  |  |  | | 2 | z zakresu nauk podstawowych | | 59 | 19,67 |  |  | |  |  |  |  | | 3 | o charakterze praktycznym (laboratoryjne, projektowe, warsztatowe) | | 44 | 16,67 |  |  | |  |  |  |  | | 4 | ogólnouczelniane lub realizowane na innym kierunku | | 14 | 4,67 |  |  | |  |  |  |  | | 5 | zajęcia do wyboru - co najmniej 30% punktów ECTS | | 96 | 32,00 |  |  | |  |  |  |  | | 6 | wymiar praktyk | | 15 | 5,00 |  |  | |  |  |  |  | | 7 | zajęcia z wychowania fizycznego | | - | - |  |  | |  |  |  |  | | 8 | zajęcia z języka obcego | | 22 | 7,33 |  |  | |  |  |  |  | | 9 | przedmioty z dziedziny nauk humanistycznych lub nauk społecznych | | 43,5 | 14,5 |  |  | |  |  |  |  | | 10 | zajęcia związane z prowadzoną w uczelni działalnością naukową w dyscyplinie/ach, do których przyporządkowano kierunek studiów (dotyczy profilu ogólnoakademickiego) | | 211,5 | 70,50 |  |  | |  |  |  |  | |  |  | |  |  |  |  | |  |  |  |  | | **II** | **Procentowy udział pkt ECTS dla każdej z dyscyplin naukowych w łącznej liczbie punktów ECTS** | | **%** |  |  |  | |  |  |  |  | | 1 | Nauki teologiczne | | 100 |  |  |  | |  |  |  |  | | 2 | Pedagogika | | 7 |  |  |  | |  |  |  |  | | 3 | Psychologia | | 3 |  |  |  | |  |  |  |  | | **Ogółem:** | | | **100** |  |  |  | |  |  |  |  | |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |  |